International Journal of Humanities and Social Science Research
www.socialsciencejournal.in
ISSN: 2455-2070
Received: 16-05-2026, Accepted: 16-06-2026, Published: 01-07-2026
Volume 12, Issue 3, 2026, Page No. 1-3

ग्रामीण क्षेत्र के हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों का अंग्रेजी विषय के प्रति अरुचि का अध्ययन (बलरामपुर जिले के सामरी–कुसमी ब्लॉक के विशेष संदर्भ में)

डॉ. कमल नारायण गजपाल[1], शिल्पा लकड़ा[2]
[1] शोध निर्देशक, शिक्षा संकाय विभागाध्यक्ष, प्रगति महाविद्यालय, चौबे कालोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत
[2] प्रशिक्षार्थी, प्रगति महाविद्यालय, चौबे कालोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

DOI: https://doi.org/10.66856/ijhssr.2026.12.3.12229

सारांश
अंग्रेजी भाषा वर्तमान वैश्विक युग में शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, व्यापार एवं रोजगार का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक विद्यार्थियों में अंग्रेजी विषय के प्रति अरुचि देखने को मिलती है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बलरामपुर जिले के सामरी–कुसमी ब्लॉक के हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों में अंग्रेजी विषय के प्रति अरुचि के कारणों का अध्ययन करना है। अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया तथा विद्यार्थियों से प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़े संकलित किए गए। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि अंग्रेजी भाषा की कठिनता, शब्दावली की कमी, भय, अभ्यास के अवसरों का अभाव, पारिवारिक एवं विद्यालयीय वातावरण की कमी तथा प्रभावशाली शिक्षण का अभाव विद्यार्थियों की अरुचि के प्रमुख कारण हैं। अध्ययन के आधार पर शिक्षकों, अभिभावकों एवं प्रशासन के लिए सुझाव प्रस्तुत किए गए हैं।

मुख्य शब्दः अंग्रेजी भाषा, अरुचि, ग्रामीण विद्यार्थी, हाई स्कूल, अंग्रेजी शिक्षण

वर्तमान युग वैश्वीकरण एवं सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। अंग्रेजी भाषा विश्व स्तर पर संचार, शिक्षा तथा रोजगार का प्रमुख माध्यम बन चुकी है। भारत में भी अंग्रेजी का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों के हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों में अंग्रेजी विषय के प्रति अरुचि एवं भय पाया जाता है। यह स्थिति उनकी शैक्षिक उपलब्धि तथा भविष्य की संभावनाओं को प्रभावित करती है। इसलिए इस समस्या का अध्ययन आवश्यक है।

अध्ययन का महत्व
यह अध्ययन अंग्रेजी शिक्षण की समस्याओं को समझने, विद्यार्थियों की अरुचि के कारणों की पहचान करने तथा शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगा। इसके निष्कर्ष शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षा प्रशासकों एवं शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

समस्या का कथन
"ग्रामीण क्षेत्र के हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों का अंग्रेजी विषय के प्रति अरुचि का अध्ययन (बलरामपुर जिले के सामरी–कुसमी ब्लॉक के विशेष संदर्भ में)।"

अध्ययन के उद्देश्य
1. अंग्रेजी विषय के प्रति विद्यार्थियों की अरुचि के प्रमुख कारणों का अध्ययन करना।
2. अंग्रेजी अध्ययन में आने वाली कठिनाइयों की पहचान करना।

शोध प्रश्न
1. हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय अरुचिकर होने के प्रमुख कारण कौन–कौन से हैं?
2. हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को अंग्रेजी विषय के अध्ययन में किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

अध्ययन की सीमाएँ
1. अध्ययन केवल सामरी–कुसमी ब्लॉक तक सीमित है।
2. अध्ययन हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों तक सीमित है।
3. आंकड़े विद्यार्थियों के उत्तरों पर आधारित हैं।

अनुसंधान विधि
प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया।

जनसंख्या
सामरी–कुसमी ब्लॉक के हाई स्कूल स्तर के समस्त विद्यार्थी।

नमूना
150 विद्यार्थियों का चयन दैव निदर्शन विधि द्वारा किया गया।

अनुसंधान उपकरण
शोधकर्ता द्वारा निर्मित प्रश्नावली।

सांख्यिकीय तकनीक
काई–वर्ग (Chi-Square) परीक्षण का उपयोग किया गया।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या
शोध प्रश्न कमांक 1
1. हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय अरुचिकर होने के प्रमुख कारण कौन–कौन से हैं?

सारणी 1: हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय अरुचिकर होने के प्रमुख कारण संबंधी सहमत, तटस्थ, असहमति, कुल संख्या एवं काई वर्ग दर्शाने वाली सारणी

प्रश्न क्रं.	सहमत	तटस्थ	असहमत	N	X^2	सार्थक/सार्थक नहीं
1	90	20	40	150	78.01	.01 स्तर पर सार्थक
2	95	45	10	150	109.51	01 स्तर पर सार्थक
3	71	54	25	150	32.46	01 स्तर पर सार्थक
4	65	73	12	150	65.95	01 स्तर पर सार्थक
5	68	56	26	150	28.08	01 स्तर पर सार्थक

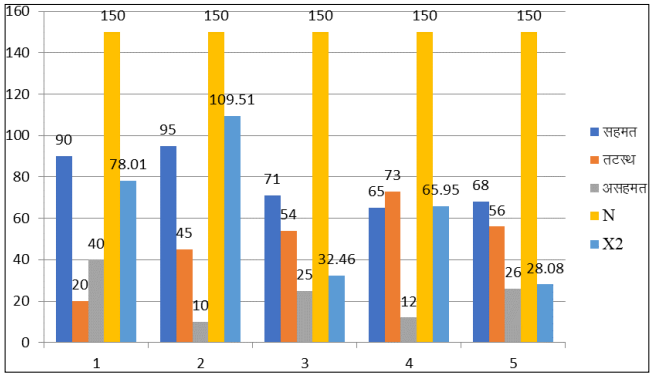

ग्रॉफ 1: हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय अरुचिकर होने के प्रमुख कारण संबंधी सहमत, तटस्थ, असहमति, कुल संख्या एवं काई वर्ग दर्शाने वाला ग्रॉफ

शोध प्रश्नों की व्याख्या

उपप्रश्न क्रमांक 1: क्या अंग्रेजी भाषा की कठिनता विद्यार्थियों की अरुचि का कारण है?

व्याख्या

इस प्रश्न हेतु 150 विद्यार्थियों का अभिमत लिया गया। जिसमें 90 विद्यार्थियों ने अपनी सहमति तथा 20 विद्यार्थियों ने तटस्थता व 40 विद्यार्थियों ने असहमति प्रकट की है। 2df के लिए .05 स्तर पर काई वर्ग का टेबल मूल्य 5.99 तथा .01 स्तर पर काई वर्ग का टेबल मूल्य 9.21 होता है। यदि काई वर्ग का गणना मूल्य टेबल मूल्य से अधिक हो तो अन्तर सार्थक होता है। विद्यार्थियों के सहमति, असहमति तथा तटस्थता में अन्तर की सार्थकता के लिए काई वर्ग की गणना की गई जो 78.01 प्राप्त हुआ है, जो सार्थक है।

उपप्रश्न क्रमांक 2: क्या अंग्रेजी विषय के प्रति भय विद्यार्थियों की रुचि को प्रभावित करता है?

व्याख्या: प्रश्न 2 के अभिमत से 95 विद्यार्थियों की सहमति तथा 45 विद्यार्थी तटस्थ तथा 10 विद्यार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता, तथा असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 की गणना की गई जिसका मान 109.51 प्राप्त हुआ जो सार्थक है।

उपप्रश्न क्रमांक 3: क्या शब्दावली की कमी के कारण विद्यार्थी अंग्रेजी विषय में रुचि नहीं लेते?

व्याख्या: प्रश्न 3 के अभिमत से 71 विद्यार्थियों की सहमति तथा 54 विद्यार्थी तटस्थ तथा 25 विद्यार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता, तथा असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 की गणना की गई जिसका मान 32.46 प्राप्त हुआ जो सार्थक है।

उपप्रश्न क्रमांक 4: क्या अंग्रेजी विषय की जटिल व्याकरण विद्यार्थियों के लिए समस्या है?

व्याख्या: प्रश्न 4 के अभिमत से 65 विद्यार्थियों की सहमति तथा 73 विद्यार्थी तटस्थ तथा 12 विद्यार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता, तथा असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 की गणना की गई जिसका मान 65.95 प्राप्त हुआ जो सार्थक है।

उपप्रश्न क्रमांक 5: क्या अंग्रेजी विषय में कम सफलता मिलने से विद्यार्थियों में अरुचि उत्पन्न होती है?

व्याख्या: प्रश्न 5 के अभिमत से 68 विद्यार्थियों की सहमति तथा 56 विद्यार्थी तटस्थ तथा 26 विद्यार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता, तथा असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 की गणना की गई जिसका मान 28.08 प्राप्त हुआ जो सार्थक है।

निष्कर्ष

शोध प्रश्न 1 के लिए कुल 5 उपप्रश्नों का निर्माण किया गया जिसमें से सभी 5 प्रश्नों में .01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया जिससे हमारे शोध प्रश्न हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय अरुचिकर होने के प्रमुख कारण कौन–कौन से हैं? सिद्ध होता है। इससे यह ज्ञात होता है कि हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय अरुचिकर होने के प्रमुख कारण भाषा की कठिनाई, अंग्रेजी के प्रति भय, शब्दावली की कमी, जटिल व्याकरण तथा सफलता दर का कम होने के कारण बहुत प्रभाव पड़ता है।

शोध प्रश्न क्रमांक 2

हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को अंग्रेजी विषय के अध्ययन में किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

सारणी क्रमांक 2: हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को अंग्रेजी विषय के अध्ययन में समस्या संबंधी सहमत, तटस्थ, असहमति, कुल संख्या एवं काई वर्ग दर्शाने वाली सारणी

प्रश्न क्रं.	सहमत	तटस्थ	असहमत	N	X^2	सार्थक/सार्थक नहीं
1	68	61	21	150	38.58	.01 स्तर पर सार्थक
2	58	31	61	150	16.38	.01 स्तर पर सार्थक
3	93	29	28	150	83.23	.01 स्तर पर सार्थक
4	53	51	46	150	0.78	.05 स्तर पर सार्थक नहीं
5	62	42	46	150	6.72	.01 स्तर पर नहीं सार्थक

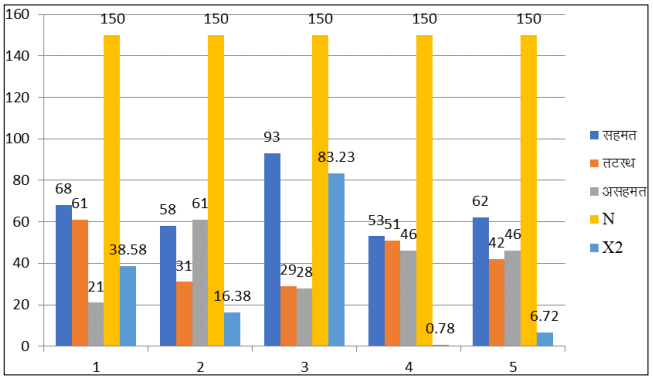

ग्रॉफ क्रमांक 2: हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को अंग्रेजी विषय के अध्ययन में समस्या संबंधी सहमत, तटस्थ, असहमति, कुल संख्या एवं काई वर्ग दर्शाने वाला ग्रॉफ

शोध प्रश्नों की व्याख्या

उपप्रश्न क्रमांक 1: क्या विद्यार्थियों को अंग्रेजी पढ़ने में कठिनाई होती है?

व्याख्या: इस प्रश्न हेतु 150 विद्यार्थियों का अभिमत लिया गया। जिसमें 68 विद्यार्थियों ने अपनी सहमति तथा 61 विद्यार्थियों ने तटस्थता व 21 विद्यार्थियों ने असहमति प्रकट की है। 2df के लिए .05 स्तर पर काई वर्ग का टेबल मूल्य 5.99 तथा .01 स्तर पर काई वर्ग का टेबल मूल्य 9.21 होता है। यदि काई वर्ग का गणना मूल्य टेबल मूल्य से अधिक हो तो अन्तर सार्थक होता है। विद्यार्थियों के सहमति, असहमति तथा तटस्थता में अन्तर की सार्थकता के लिए काई वर्ग की गणना की गई जो 38.58 प्राप्त हुआ है, जो सार्थक है।

उपप्रश्न क्रमांक 2: क्या विद्यार्थियों को अंग्रेजी लिखने में समस्या होती है?

व्याख्या: प्रश्न 2 के अभिमत से 58 विद्यार्थियों की सहमति तथा 31 विद्यार्थी तटस्थ तथा 61 विद्यार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता, तथा असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 की गणना की गई जिसका मान 16.38 प्राप्त हुआ जो सार्थक है।

उपप्रश्न क्रमांक 3: क्या विद्यार्थियों को अंग्रेजी बोलने में संकोच महसूस होता है?

व्याख्या: प्रश्न 3 के अभिमत से 93 विद्यार्थियों की सहमति तथा 29 विद्यार्थी तटस्थ तथा 28 विद्यार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता, तथा असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 की गणना की गई जिसका मान 83.23 प्राप्त हुआ जो सार्थक है।

उपप्रश्न क्रमांक 4: क्या विद्यार्थियों को अंग्रेजी समझने में कठिनाई होती है?
व्याख्या: प्रश्न 4 के अभिमत से 53 विद्यार्थियों की सहमति तथा 51 विद्यार्थी तटस्थ तथा 46 विद्यार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता, तथा असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 की गणना की गई जिसका मान 0.78 प्राप्त हुआ जो कि .05 स्तर पर सार्थक नहीं है।

उपप्रश्न क्रमांक 5: क्या उच्चारण संबंधी समस्याएँ अंग्रेजी अध्ययन को प्रभावित करती हैं?
व्याख्या: प्रश्न 5 के अभिमत से 62 विद्यार्थियों की सहमति तथा 42 विद्यार्थी तटस्थ तथा 46 विद्यार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता, तथा असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 की गणना की गई जिसका मान 6.72 प्राप्त हुआ जो कि .01 स्तर पर सार्थक नहीं है।

निष्कर्ष

शोध प्रश्न 2 के लिए कुल 5 उपप्रश्नों का निर्माण किया गया जिसमें से सभी 3 प्रश्नों में .01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया 1 प्रश्न 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं पाया गया और 1 प्रश्न .01 स्तर पर सार्थक नहीं पाया गया। जिससे हमारे शोध प्रश्न हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को अंग्रेजी विषय के अध्ययन में किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है? आंशिक रूप से सिद्ध होता है। इससे यह ज्ञात होता है कि हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय अरुचिकर होने के प्रमुख कारण अंग्रेजी में लिखने, पढने, बोलने, समझने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

प्रमुख निष्कर्ष

1. विद्यार्थियों में अंग्रेजी विषय के प्रति अरुचि का प्रमुख कारण भाषा की कठिनता है।
2. अंग्रेजी का भय एवं शब्दावली की कमी विद्यार्थियों की रुचि को प्रभावित करती है।
3. विद्यालय एवं परिवार में अंग्रेजी वातावरण का अभाव पाया गया।
4. अंग्रेजी के कम प्रयोग के कारण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की कमी देखी गई।
5. प्रभावशाली शिक्षण एवं अभ्यास आधारित गतिविधियों की कमी अरुचि का प्रमुख कारण है।

सुझाव

शासन हेतु

- अंग्रेजी भाषा प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाए।
- अंग्रेजी विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की जाए।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।

शिक्षक हेतु

- गतिविधि आधारित शिक्षण अपनाएँ।
- कक्षा में अंग्रेजी संवाद को प्रोत्साहित करें।
- ICT आधारित शिक्षण का प्रयोग करें।

अभिभावक हेतु

- घर में अध्ययन का सकारात्मक वातावरण बनाएँ।
- बच्चों को अंग्रेजी पुस्तकों एवं डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता प्रदान करें।

विद्यार्थियों हेतु

- प्रतिदिन अंग्रेजी पढ़ने एवं बोलने का अभ्यास करें।
- अंग्रेजी समाचार, वीडियो एवं पुस्तकों का अध्ययन करें।
- भाषा संबंधी गतिविधियों में भाग लें।

अनुकरणीय अध्ययन

1. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की अंग्रेजी उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन।
2. अंग्रेजी भाषा चिंता एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।
3. ICT आधारित अंग्रेजी शिक्षण की प्रभावशीलता का अध्ययन।
4. जनजातीय विद्यार्थियों में अंग्रेजी अधिगम समस्याओं का अध्ययन।
5. अंग्रेजी विषय के प्रति अभिवृत्ति एवं उपलब्धि का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Al-Tamimi A, Shuib M. Motivation and attitudes towards learning English. GEMA Online Journal of Language Studies,2009:9(2):29-55.
2. Csizér K, Dörnyei Z. The internal structure of language learning motivation. Language Learning,2005:55(4):613-659. https://doi.org/10.1111/j.0023-8333.2005.00319.x
3. Ellis R. The Study of Second Language Acquisition. Oxford University Press, 1994.
4. Gardner RC. Social Psychology and Second Language Learning: The Role of Attitudes and Motivation. Edward Arnold, 1985.
5. Gardner RC, Lambert WE. Attitudes and Motivation in Second-Language Learning. Newbury House, 1972.
6. Horwitz EK, Horwitz MB, Cope J. Foreign language classroom anxiety. Modern Language Journal,1986:70(2):125-132. https://doi.org/10.2307/327317
7. Lamb M. Integrative motivation in a globalizing world. System,2004:32(1):3-19. https://doi.org/10.1016/j.system.2003.04.002
8. Liu M, Jackson J. An exploration of Chinese EFL learners' unwillingness to communicate. Modern Language Journal,2008:92(1):71-86. https://doi.org/10.1111/j.1540-4781.2008.00687.x
9. Noels KA. New orientations in language learning motivation. Language Learning,2001:51(1):43-68. https://doi.org/10.1111/0023-8333.00154
10. Williams M, Burden RL. Psychology for Language Teachers. Cambridge University Press, 1997.
11. Yashima T. Willingness to communicate in a second language. Modern Language Journal,2002:86(1):54-66. https://doi.org/10.1111/1540-4781.00136